a Branch office of the Press Information Bureau at Tirupati in Andhra Pradesh.

DESU dues on industrial units and Bulk Consumers

2682. SHRI SHIV PRATAP MISHRA: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a large number of big industrial units and bulk consumers are not regularly paying the dues of the DESU for the last four years; and

(b) if so, the names of those units and steps Government propose to take in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) and (b) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

मध्य प्रदेश में कोरबा विद्युत परियोजना के लिए जर्मन सहायता

2683. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जर्मनी ने मध्य प्रदेश में कोरबा परियोजना के लिए सहायता देने की पेशकश की है ; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इस सहायता से इस संयंत्र के विकास की क्या योजना चलायी जाएगी ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगैय्या नायडू) : (क) और (ख) मध्य प्रदेश में कोरबा सूपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट चरण-2 (3×500 मे०वा०) की स्थापना, जर्मनी की सहायता से नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन लि० (एनटीपीसी) द्वारा की गई हैं । मैसर्स० क्रेडिटनस्टालट (फार वाइडरीफबाऊ) के एफ.डब्ल्यू) के माध्यम से प्राप्त 173.80 मिलियन डी०एम० राशि में से एनटीपीसी द्वारा 146.49 मिलियन डी०एम० का उपयोग पचियोजना के निर्माण कार्य पर किया गया है । शेष निधियों के उपयोग के संबंध में एनटीपीसी ने मैसर्स के० एफ० डब्ल्यू की नए प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं जिनमें ये शामिल हैं–ड्राइ एस कनक्शन सिस्टम की रिट्रोफिटिंग सहित अतिरिक्त राख निपटान सुविधाओं के निर्माण/प्रतिस्थापन का आंशिक वित्त घोषणा ।

कुटी ज्योति योजना का समाप्त किया जाना

2684. **चौधरी हरमोहन सिंह** : क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुटीर ज्योति योजना समाप्त कर दी गई है और

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और कुटीर ज्योति योजना को विफलता पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी०वी० रंगैय्या नायडू) :

(क) जी, नहीं ।

(ख) यद्यपि निधियों का आवंटन न किए जाने के कारण वर्ष 1990–91 तथा 1991–92 के दौरान कुटीर ज्योति योजना को प्रचालित नहीं किया जा सका, इसे 1992–93 के दौरान पुनः चालू कर दिया गया है और लगातार रूप से जारी है । इस स्कीम को विफल नहीं माना जा सकता है क्योंकि हरिजनों तथा आदिवासियों सहित गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन कसने वाले लोगों को इस स्कीम के अंतर्गत अभी तक 11.03 लाख सिंगल प्वाइंट लागट कनैक्शन जारी किए जा के हैं ।